SOPHIA COLLEGE FOR WOMEN
(AUTONOMOUS)

Affiliated to

UNIVERSITY OF MUMBAI

Programme: **Hindi**

Programme Code: SBAHIL

F.Y.B.A.

(2020-2021)

(Choice Based Credit System with effect from the year 2020-21)

Programme Outline: FYBA Hindi Ancillary (SEMESTER I)

Course Code	Unit No	Name of the Unit	Credits
SBAHIL101		ऐच्छिक हिंदी	4
	1	प्रतिनिधि कहानियाँ	
	2	प्रतिनिधि कहानियाँ	
	3	गद्य विविधा (भाग -1)	
	4	गद्य विविधा (भाग -1)	

Programme Outline: FYBA Hindi Ancillary (SEMESTER II)

Course Code	Unit No	Name of the Unit	Credits
SBAHIL201		ऐच्छिक हिंदी	4
	1	गद्य विविधा (भाग -2)	
	2	गद्य विविधा (भाग - 2)	
	3	हिंदी उपन्यास - पचपन खम्बे लाल दीवारें	
	4	हिंदी उपन्यास - पचपन खम्बे लाल दीवारें	

Preamble (प्रास्ताविका)

कला स्नातक [बी . ए] के हिंदी पाठयक्रम में हिंदी भाषा, साहित्य, संस्कृति एवं तकनीकि विकास का व्यापक अध्ययन हेतु कुल नौ पेपर शामिल किये गए हैं, जो कि हिंदी विभाग की बड़ी उपलब्धि है और यह ऐसा विभाग है जो भारतीय भाषा एवं साहित्य की समृद्ध विरासत से छात्रों को जोड़ता है | इस पाठ्यक्रम में आधुनिक हिंदी की विविध विधाओं जैसे – कविता, नाटक, उपन्यास, एकांकी, कहानी, व्याकरण आदि को शामिल किया गया है | कहानियां एवं काव्य के माध्यम से छात्रों को भारतीय संस्कृति एवं मानवीय मूल्यों से परिचित करना और उनमें नैतिकता का विकास करना इस पाठ्यक्रम का उद्देश्य है |

विभाग ने पाठयक्रम में भाषा की शुद्धता में वृद्धि करने हेतु अनेक व्याकरण के विषयों को सम्मिलित किया है| विभाग छात्रों को रोजगार के क्षेत्रो में सक्षम करने हेतु इस पाठयक्रम में संचार-कौशल, अनुवाद ,विज्ञापन, पत्रकारिता एवं कंप्यूटर तकनीकि आदि विषयों को पढाया जाता है | छात्रों में आलोचनात्मक विश्लेषण, हिंदी साहित्य एवं संस्कृति का महत्व, पर्यावरण सजगता के प्रति गहरी चेतना जागृत करने हेतु पाठ्यक्रम में निबंध, उपन्यास एवं अन्य गद्य विधाओं को शामिल किया गया है |

विभिन्न शैक्षणिक पृष्ठभूमि के छात्रों को एक ही स्तर पर लाने की आवश्यकता को ध्यान में रखते हुए इसे तैयार किया गया है| काव्यशास्त्रीय अध्ययन से छात्रों में काव्य के प्रति रूचि निर्माण हो इसलिए भारतीय काव्य शास्त्र का विषय सम्मिलित किया गया है | हिंदी भाषा के उद्भव और विकास तथा इतिहास संबधी जानकारियां प्राप्त हो तथा छात्रों को भाषाई शुद्धता का ज्ञान हो इसलिए भाषा-विज्ञान के विविध विषयों को पाठ्यक्रम में शामिल किया गया है | नाटकों और निबंधो के माध्यम से छात्रों में पारिवारिक मूल्यों और संबंधो के प्रति संवेदना निर्माण करने का प्रयत्न किया गया है |

साहित्य और समाज के मध्य के गहरे सम्बन्ध को समझाने हेतु और साहित्य ही समाज का प्रतिबिम्ब है यह प्रस्थापित करने हेतु अस्मितामूलक विमर्श, विविध विचारकों जैसे गांधी, मार्क्स, आम्बेडकर एवं राजाराममोहन राय आदि का हिंदी साहित्य पर पड़े प्रभाव को दर्शाने वाले विमर्श साहित्य में सम्मिलित किया गया है |

PROGRAMME OBJECTIVES

PO 1	साहित्य मानवीय चित्तवृत्तियों का प्रतिबिम्ब होता है उसमें समाज की विकृतियों, संवेदनाओं एवं परिस्थितियों को चित्रित किया जाता हैं जिससे ,विद्यार्थियों में सामाजिक सजगता निर्माण करना और मूल्यांकन क्षमता का विकास करना |
PO 2	विद्यार्थियों को साहित्य की विविध कथा-कहानियों ,रेखाचित्र, व्यंग्य, आत्मकथा, एकांकी, संस्मरण, निबंध तथा रिपोर्ताज आदि का परिचय कराना |
PO 3	साहित्य की विविध विधाओं का पठन-पाठन करते हुए विद्यार्थियों में लेखन कौशल का विकास करना और साहित्य के प्रति रूचि निर्माण करना |
PO 4	मध्यकालीन तथा आधुनिक काव्य के माध्यम से काव्य भाषा की सुन्दरता से परिचित कराना | विद्यार्थियों को भावनात्मक रूप से संवाद करने में सक्षम बनाना तथा काव्य में निहित रस, भावना और आध्यात्मिकता के विभिन्न आयामों से विद्यार्थियों को जोड़ना।
PO 5	प्रयोजनमूलक एवं जनसंचार के विविध माध्यमों के पठन-पाठन से विद्यार्थियों को रोजमर्रा के जीवन में संचार करने के लिए एक सुगम और सहज भाषा का उपयोग करने के योग्य बनाना। |
PO 6	साहित्य के माध्यम से विद्यार्थियों को अपने अनुभव, सोच की गहराई और विचारों को दूसरों के साथ साझा करने में सक्षम करना और साथ ही उनमें विभिन्न सामाजिक और सांस्कृतिक समूहों के बीच संबंधों को मजबूत करने का कौशल निर्माण करना |
PO 7	साहित्य के माध्यम से विद्यार्थियों को हिंदी साहित्य के इतिहास, प्रमुख कवियों और रचनाकारों से परिचित करते हुए उन्हें नैतिक मूल्यों और सामाजिक समस्याओं से सजग करना|
PO 8	भारतीय काव्यशास्त्र के विभिन्न आयामों जैसे कि रस, अलंकार और छंद का अध्ययन करके काव्य की सुंदरता और भावों की समझ निर्माण करना साथ ही साहित्यिक सौंदर्य, कला एवं वैचारिक मूल्यों की छात्रों को जानकारी देना|
PO 9	भाषा विज्ञान, सूचना प्रौद्योगिकी तथा सोशल मीडिया में प्रयुक्त हिंदी की जानकारी देकर उन्हें व्यावहारिक हिंदी का प्रयोग करने में सक्षम बनाना|

PROGRAMME SPECIFIC OUTCOMES

PSO 1	विद्यार्थी गद्य की विविध विधाओं रेखाचित्र, व्यंग्य, आत्मकथा, एकांकी, संस्मरण, निबंध तथा रिपोर्ताज से परिचित होंगे |
PSO 2	अन्य गद्य विधाओं के पठन-पाठन एवं चरित्रों को पढ़ने से विद्यार्थी उनमें व्यक्त भावों को समझ कर जीवन में उतारने के लिए सक्षम होंगे| अपने प्राप्त कौशल से जीवन की विविध चुनौतियों का सामना करने को तैयार रहेंगे |
PSO 3	उपन्यास के पठन - पाठन से संघर्षमयी जीवन से परिचित होंगे और सैद्धांतिक मूल्यों को जान पाएँगे तथा भविष्य में अपने जीवन में उनका अमल कर पाएंगे |
PSO 7	मध्यकालीन तथा आधुनिक काव्य के द्वारा विद्यार्थियों में नयी विचारधारा, संवेदनाएँ और दृष्टिकोण का निर्माण होगा | काव्य भाषा की रचनात्मकता और उसकी सांस्कृतिक विविधता को समझ सकेंगे | इसके अलावा, काव्य रस, संवेदना, और साहित्यिक गुणों को समझने की उनमें क्षमता निर्माण होगी |
PSO 5	व्यावहारिक हिंदी और जनसंचार के माध्यम से छात्रों को मीडिया में पत्रकार, संपादक, रिपोर्टर, लेखक, ब्लॉगर साथ ही - हिंदी भाषा के अनुवादक, संचालक और सामाजिक संचार अधिकारी के रूप में हिंदी भाषा में विपणन, विज्ञापन, और बाजारिक संचार के क्षेत्र में रोजगार प्राप्त करने में सक्षम होंगे।
PSO 6	साहित्य के माध्यम से विद्यार्थी समाज में आनेवाले बदलाव, संघर्ष, प्रेम, विश्वास, और मानवीय अनुभवों को समझने में सक्षम होंगे | उसमें वर्णित पात्रों के माध्यम से चरित्रों के संघर्ष, विचारों और भावनाओं से अपने चारित्रिक गुणों का विकास करेंगे | इसके अलावा मानवीय, नैतिक, सामाजिक असमानता को समझने में सक्षम होंगे।
PSO 7	हिंदी साहित्य की विविध विधाओं जैसे प्रेरणादायक कविताएँ और रोचक कथाओं के माध्यम से छात्रों में साहित्य के प्रति रूचि निर्माण होगी और वे जीवन में साहित्य के महत्व को समझ कर रचनात्मकता कौशल में विकास करेंगे |
PSO 8	पाठ्यक्रम के माध्यम से छात्रों में सैन्धान्तिक मूल्यों का विकास होगा तथा हिंदी भाषा के व्यावहारिक ज्ञान से अवगत होने से छात्रों को न केवल शुद्ध भाषा की जानकारी होगी बल्कि तकनीकि क्षेत्रों में रोजगार की विभिन्न संभावनाएँ छात्रों के समक्ष निर्माण होगी ।
PSO 9	पाठ्यक्रम के माध्यम से विद्यार्थी भारतीय काव्य परम्परा से अवगत होंगे और उनमें सृजनात्मक कौशल का विकास होगा, साहित्य के प्रति रूचि निर्माण होगी|

SEMESTER 1

NAME OF THE COURSE	ऐच्छिक हिंदी	
CLASS	FYBA	
COURSE CODE	SBAHIL101	
NUMBER OF CREDITS	4	
NUMBER OF LECTURES PER WEEK	4	
TOTAL NUMBER OF LECTURES PER SEMESTER	60	
EVALUATION METHOD	INTERNAL ASSESSMENT	SEMESTER END EXAMINATION
TOTAL MARKS	50	50
PASSING MARKS	20	20

COURSE OBJECTIVES

CO 1.	प्रतिनिधि दस कहानियों में हिंदी के अमर कथाकारों की अमर कहानियों के माध्यम से विद्यार्थियों को मानवीय संवेदना की गहराइयों में उतारना और जीवन को भी उसी संवेदना से पढ़ने का संस्कार देना |
CO 2.	हिंदी के प्रमुख रचनाकार कमलेश्वर, यशपाल, भुवनेश्वर, कमलेश्वर , स्वयं प्रकाश, उदयप्रकाश जैसे कथाकारों के व्यक्तित्व से साक्षात्कार कराना और कहानियों के माध्यम से विद्यार्थियों में नैतिक मूल्यों एवं सामाजिकता का विकास करना |
CO 3.	हिंदी साहित्य की अन्य गद्य विधाएँ जैसे रेखाचित्र, व्यंग्य, आत्मकथा, एकांकी, संस्मरण, निबंध तथा रिपोर्ताज आदि का सामान्य परिचय करना और प्रसिद्ध गद्यकारों का परिचय करना, रचनात्मक लेखन का विकास करना |

COURSE LEARNING OUTCOMES:

CLO 1.	प्रथम वर्ष बी.ए. हिंदी प्रश्न-पत्र के अंतर्गत दस प्रतिनिधि कहानियों के पठन - पाठन से विद्यार्थियों में सामाजिक, राजनैतिक, धार्मिक व सांस्कृतिक भावना जागृत होगी तथा बौद्धिक विकास होगा, ज्ञानात्मक आधार पुष्ट होगा और विद्यार्थियों में रसास्वादन के कौशल का विकास होगा|
CLO 2.	प्रथम वर्ष बी.ए. हिंदी प्रश्न-पत्र के अंतर्गत गद्य के विविध रूप संस्मरण, व्यंग्य, कहानी, जीवनी, एकांकी आदि पाठ्यक्रम के माध्यम से विद्यार्थी हिंदी की विविध विधाओं से परिचित होंगे तथा लेखन कौशल का विकास होगा |
CLO 3 .	विद्यार्थियों में मूल्यांकन करने की क्षमता निर्माण होगी और वैचारिक दृष्टिकोण निर्माण होगा एवं राजनैतिक, सांस्कृतिक, पारिवारिक, सामाजिक तथा नैतिक मूल्यों का विकास होगा |

इकाई 1	**प्रतिनिधि कहानियाँ**
1.1	नौकरी पेशा - कमलेश्वर
1.2	पर्दा -यशपाल
1.3	डाची -उपेन्द्रनाथ अश्क
1.4	भेड़िए - भुवनेश्वर
इकाई 2	**प्रतिनिधि कहानियाँ**
2.1	कर्मनाशा की हार - शिवप्रसाद सिंह
2.2	काला शुक्रवार -सुधा अरोड़ा
2.3	टेपचू -उदय प्रकाश
2.4	प्रतिशोध -पुरुषोत्तम सत्यप्रेमी
इकाई 3	**गद्य विविधा -**
3.1	नजर नसाई गई मालिक (रेखाचित्र)- नलिन विलोचन शर्मा
3.2	जैसे उसके दिन फिरे – (व्यंग्य)- हरिशंकर परसाई
3.3	महाभारत की एक सांझ – (एकांकी) भारत भूषण अग्रवाल
3.4	सरहद के उस पार –(रिपोर्ताज) फणीश्वरनाथ रेणु
इकाई 4	**गद्य विविधा -**
4.1	आज के अतीत से (आत्मकथ्य) भीष्म साहनी
4.2	भाषा बहता नीर (निबंध) कुबेरनाथ राय
4.3	सरयू भैया (संस्मरण) – रामवृक्ष बेनीपुरी

संदर्भ :

- प्रतिनिधि कहानियाँ – सम्पादन -हिंदी अध्ययन मंडल, मुंबई विश्व विद्यालय, प्रकाशक – परिदृश्य प्रकाशन
- गद्य विविधा - सम्पादन -हिंदी अध्ययन मंडल, मुंबई विश्व विद्यालय, प्रकाशक – परिदृश्य प्रकाशन
- हिंदी कहानी परम्परा और प्रगति- डॉ. हरदयाल, प्रकाशन - वाणी प्रकाशन, दिल्ली
- हिंदी कहानी का इतिहास -गोपाल राय, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली
- नयी कहानी की भूमिका – कमलेश्वर, शब्दकार प्रकाशन, दिल्ली

SEMESTER II

NAME OF THE COURSE	ऐच्छिक हिंदी	
CLASS	FYBA	
COURSE CODE	SBAHIL201	
NUMBER OF CREDITS	4	
NUMBER OF LECTURES PER WEEK	4	
TOTAL NUMBER OF LECTURES PER SEMESTER	60	
EVALUATION METHOD	INTERNAL ASSESSMENT	SEMESTER END EXAMINATION
TOTAL MARKS	50	50
PASSING MARKS	20	20

COURSE OBJECTIVES

CO 1.	हिंदी साहित्य की अन्य गद्य विधाएँ; संस्मरण, यात्रा वृत्तान्त, पत्र, डायरी आदि का सामान्य परिचय करना तथा प्रसिद्द गद्यकारों का परिचय करना, रचनात्मक लेखन का विकास करना |
CO 2.	उपन्यास 'पचपन खम्भे लाल दीवारें' और उपन्यास की लेखिका उषा प्रियंवदा के परिचय के साथ-साथ मूल्यांकन क्षमता का विकास करना और उपन्यास के पात्रों के माध्यम से विद्यार्थियों में महान चारित्रिक गुणों का विकास करना |
CO 3.	हिंदी साहित्य की उपन्यास विधा तथा गदय विविधा के माध्यम से विद्यार्थियों में मूल्यांकन क्षमता बढ़ाना और वैचारिक दृष्टिकोण का निर्माण करना |

COURSE LEARNING OUTCOMES:

CLO 1.	प्रथम वर्ष बी.ए. हिंदी प्रश्न पत्र के अंतर्गत हिंदी उपन्यास एवं अन्य गद्य विधाएँ पाठ्यक्रम के माध्यम से विद्यार्थी हिंदी की उपन्यास एवं अन्य गद्य विधाओं से परिचित होंगे |
CLO 2.	हिंदी उपन्यास एवं अन्य गद्य विधाओं के माध्यम से विद्यार्थियों में वैचारिक मूल्यांकन करने की क्षमता निर्माण होगा और राजनैतिक, सांस्कृतिक, पारिवारिक, सामाजिक तथा नैतिक मूल्यों का विकास होगा |

CLO 3	उपन्यास एवं अन्य गद्य विधाओं को पढ़ने से विद्यार्थियों में पारिवारिक संबंधों में सामंजस्य स्थापित करने की क्षमता तथा समझ का विकास होगा | हिन्दी साहित्य के उपन्यास तथा अन्य विधाओं के प्रति रूचि निर्माण होगी |

इकाई 1	**गदय विविधा (भाग-2)**
1.1	चीनी फेरीवाला (रेखाचित्र) - महादेवी वर्मा
1.2	जीप पर सवार इल्लियाँ (व्यंग्य) - शरद जोशी
1.3	भोर का तारा (एकांकी) - जगदीश चंद्र माथुर
1.4	तूफ़ान के विजेता -(रिपोर्ताज) रांगेय राघव
इकाई 2	**गदय विविधा (भाग- 2)**
2.1	नये देश , नयी जमीन , नए क्षितिज , नए आसमान (आत्मकथ्य)- सुषम बेदी
2.2	आचरण की सभ्यता (निबंध) - अध्यापक पूर्ण सिंह
2.3	अस्थियों के अक्षर (संस्मरण) - श्यौराज सिंह बेचैन
इकाई 3	**हिंदी उपन्यास- पचपन खम्बे लाल दीवारें -उषा प्रियंवदा**
3.1	हिंदी उपन्यास का सामान्य परिचय
3.2	पचपन खम्बे लाल दीवारें उपन्यास का परिचय (वाचन और व्याख्या)
इकाई 4	**हिंदी उपन्यास - पचपन खम्बे लाल दीवारें - उषा प्रियंवदा**
4.1	हिंदी उपन्यास पचपन खम्बे लाल दीवारें उपन्यास के तत्वों के आधार पर समीक्षा
4.2	पचपन खम्बे लाल दीवारें उपन्यास में उल्लेखित समस्याएँ

संदर्भ ::

- पचपन खम्बे लाल दीवारें -उषा प्रियंवदा , राजकमल प्रकाशन
- गद्य विविधा - सम्पादन -हिंदी अध्ययन मंडल, मुंबई विश्व विद्यालय, प्रकाशक – परिदृश्य प्रकाशन
- हिंदी आलोचना का आलोचनात्मक इतिहास – डॉ. अमरकांत, राजकमल प्रकाशन
- हिंदी साहित्य का गद्य इतिहास- रामचंद्र तिवारी- ज्ञानपीठ प्रकाशन
- हिंदी साहित्य का इतिहास- रामचंद्र शुक्ल, राजकमल प्रकाशन

ASSESSMENT DETAILS :(this will be same for all the theory papers)

- **Internal Assessment (50 marks)**

- **Semester End Examination – External Assessment (50 marks)**

Due to the pandemic, IA and SEE were conducted online, were objective-type and as par university guideline

****